नींबूवर्गीय पर क्रॉपबायोलाइफ का उपयोग

CBL CropBioLife

क्रॉपबायोलाइफ पौधों पर लगाने वाला स्प्रे है जो पौधों और मिट्टी के स्वास्थ को बढ़ाता है।

यह 100% प्राकृतिक फ्लेवोनॉइड-आधारित स्प्रे है, जो कड़वे संतरे के प्राकृतिक अर्क से विकसित किया गया है।

यह जानकारी पत्रक नींबूवर्गीय पर क्रॉपबायोलाइफ के उपयोग का विवरण देती है – जिसमे अपेक्षित परिणाम, लाभ और स्प्रे के मात्रा शामिल है।

- स्वाद में सुधार करें
- जड़ स्वास्थ्य में सुधार करें
- रोग के दबाव में कमी
- प्रकाश संश्लेषण में सुधार करता है
- उपज में वृद्धि
- अधिक सुसंगत पकने लगता है
- ब्रिक्स स्तर में सुधार करता है
- पौधे के समग्र स्वास्थ्य और फलों की गुणवत्ता में सुधार करता है।
- मृदा जीव विज्ञान में सुधार करता है
- मिट्टी की जैविक गुणवत्ता में सुधार
- संपूण पौधे के स्वास्थ्य में सुधार
- सूखे तनाव में कमी

दस्तावेजित अनुभव:

दाई ओर दी गई तालिका हमारे ग्राहकों के अनुभवों को दर्शाती है, जिसमे एक मौसम के दौरान क्रॉपबायोलाइफ के उपयोग के बाद नींबूवर्गीय की प्रमुख विशेषताओं में सुधार देखा गया।

**अनुभव भिन्न हो सकते है।" दस्तावेजित अनुभव से तात्पर्य स्वतंत्र प्रयोगशाला परीक्षणों से है, जो फसल कटाई के बाद हमारे ग्राहकों के साथ पूरे किये गए। ये वृद्धि फसल के प्रकार के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।*

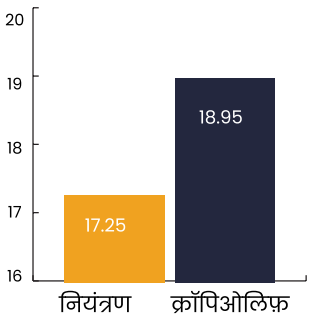

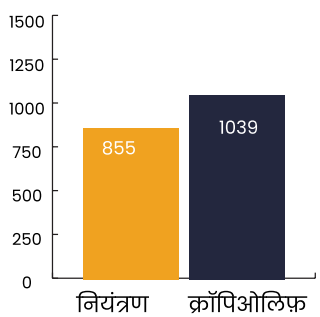

छिड़काव मात्रा:

समय	पानी मे सांद्रता (प्रति 100 लीटर)	आवश्यकतानुसार इसे फफूंदनाशी या पणर् पोषक तत्त्व स्प्रे के साथ मिलाया जा सकता है। यदि "पुनर्जीवन" की आवश्यकता हो या पेड़ तनाव में हो, तो आप 200mL प्रति 100L की दर से स्प्रे कर सकते है
पहला स्प्रे – 80-100% पंखुडिया के गिरने पर। इस (पहले) स्प्रे का सही समय सर्वोत्तम परिणाम सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।	200mls	उष्णकटिबंधीय जलवायु वाले क्षेत्रों में जहाँ पेड़ों पर अनेक बार फूल खिलते है वहां किया भी समय स्प्रे शुरू किया जा सकता है। फलो के रंग परिवर्तन के दौरान कम से कम 2-3 स्प्रे करने पर विशेष ध्यान दे, जैसा की नीचे दिए गए तीसरे स्प्रे से आगे बताया गया है।
दूसरा स्प्रे - 28 दिनों के बाद		
तीसरा स्प्रे - दसरे स्प्रे के 28 दिन बाद		

For more information visit: **www.cropbiolife.in** or email **sales@cropbiolife.in**